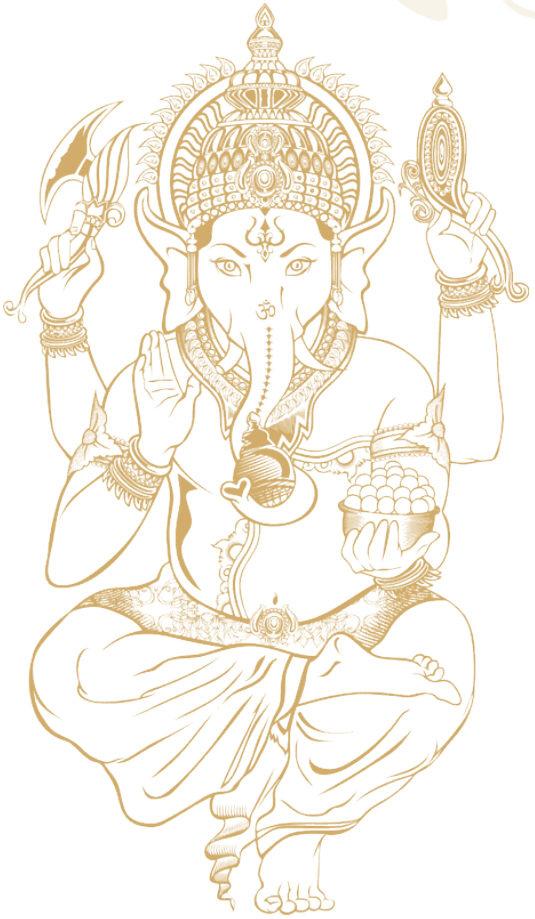

Yash agrwal

04 Mar 2002

07:10 AM

Dhanbad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121938905

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/03/2002**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**07:10:00 घंटे**
इष्ट	02:45:17 घटी
स्थान	**Dhanbad**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	23:47:00 उत्तर
रेखांश	86:32:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:16:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:26:08 घंटे
वेलान्तर	-00:11:49 घंटे
साम्पातिक काल	18:12:45 घंटे
सूर्योदय	06:03:53 घंटे
सूर्यास्त	17:47:46 घंटे
दिनमान	11:43:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	19:24:52 कुम्भ
लग्न के अंश	10:24:18 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	व्याघात
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	10:24:18	485:36:56	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	---
सूर्य			कुंभ	19:24:52	01:00:08	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	24:28:46	13:59:51	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल			मेष	07:50:45	00:42:27	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
बुध			मक	24:46:18	01:20:37	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
गुरु			मिथु	11:45:02	00:00:29	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	01:08:00	01:14:47	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शनि			वृष	14:41:12	00:02:39	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		वृष	29:30:46	00:03:00	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	29:30:46	00:03:00	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	01:59:11	00:03:21	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
नेप			मक	15:49:48	00:01:59	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:40:07	00:00:34	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			धनु	09:02:19	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:58

लग्न-चलित

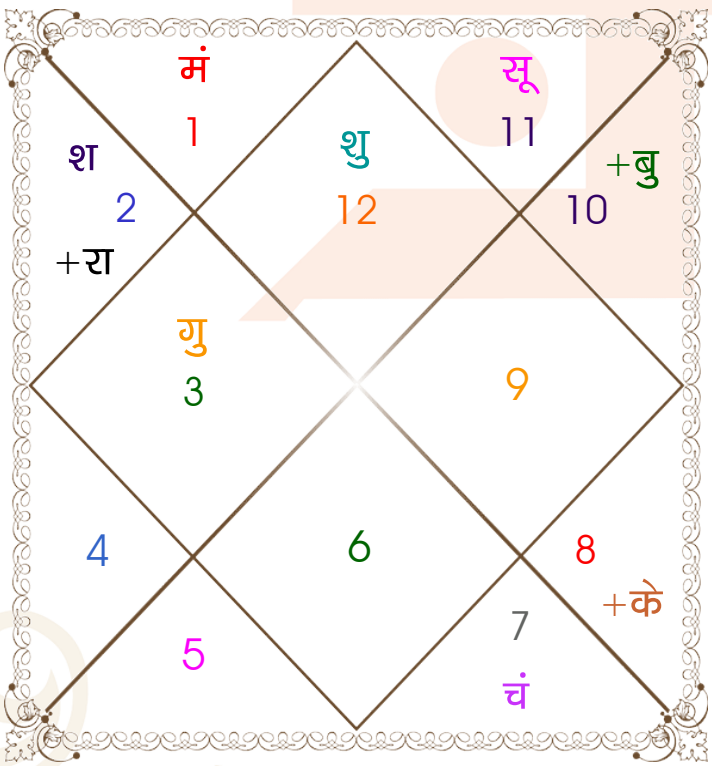

चन्द्र कुंडली

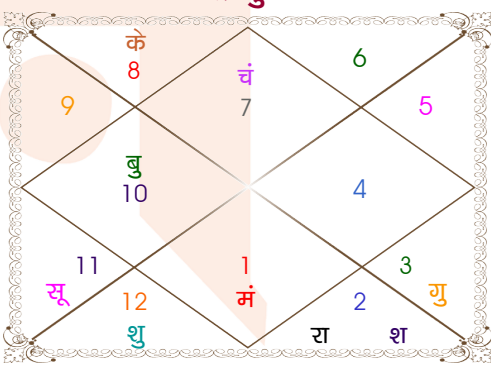

नवमांश कुंडली

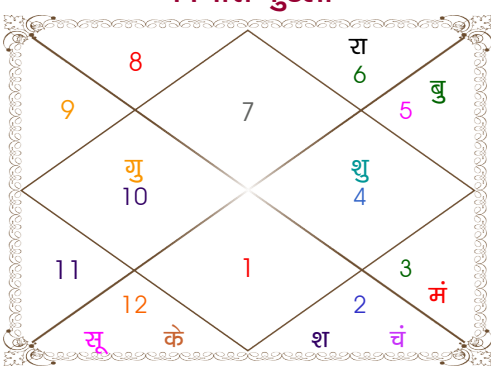

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 10 वर्ष 7 मास 15 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
04/03/2002		17/10/2012		18/10/2031		17/10/2048		18/10/2055	
17/10/2012		18/10/2031		17/10/2048		18/10/2055		18/10/2075	
	00/00/0000	शनि	21/10/2015	बुध	16/03/2034	केतु	16/03/2049	शुक्र	17/02/2059
	04/03/2002	बुध	30/06/2018	केतु	13/03/2035	शुक्र	16/05/2050	सूर्य	17/02/2060
बुध	24/09/2003	केतु	09/08/2019	शुक्र	11/01/2038	सूर्य	21/09/2050	चंद्र	18/10/2061
केतु	30/08/2004	शुक्र	09/10/2022	सूर्य	17/11/2038	चंद्र	22/04/2051	मंगल	18/12/2062
शुक्र	01/05/2007	सूर्य	21/09/2023	चंद्र	18/04/2040	मंगल	18/09/2051	राहु	18/12/2065
सूर्य	17/02/2008	चंद्र	21/04/2025	मंगल	15/04/2041	राहु	05/10/2052	गुरु	18/08/2068
चंद्र	18/06/2009	मंगल	31/05/2026	राहु	02/11/2043	गुरु	11/09/2053	शनि	18/10/2071
मंगल	25/05/2010	राहु	06/04/2029	गुरु	07/02/2046	शनि	21/10/2054	बुध	18/08/2074
राहु	17/10/2012	गुरु	18/10/2031	शनि	17/10/2048	बुध	18/10/2055	केतु	18/10/2075

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/10/2075		18/10/2081		18/10/2091		18/10/2098		18/10/2116	
18/10/2081		18/10/2091		18/10/2098		18/10/2116		00/00/0000	
सूर्य	05/02/2076	चंद्र	18/08/2082	मंगल	15/03/2092	राहु	01/07/2101	गुरु	07/12/2118
चंद्र	05/08/2076	मंगल	19/03/2083	राहु	03/04/2093	गुरु	25/11/2103	शनि	19/06/2121
मंगल	11/12/2076	राहु	17/09/2084	गुरु	10/03/2094	शनि	01/10/2106	बुध	05/03/2122
राहु	05/11/2077	गुरु	17/01/2086	शनि	19/04/2095	बुध	19/04/2109		00/00/0000
गुरु	24/08/2078	शनि	18/08/2087	बुध	15/04/2096	केतु	08/05/2110		00/00/0000
शनि	06/08/2079	बुध	17/01/2089	केतु	11/09/2096	शुक्र	07/05/2113		00/00/0000
बुध	12/06/2080	केतु	18/08/2089	शुक्र	11/11/2097	सूर्य	01/04/2114		00/00/0000
केतु	17/10/2080	शुक्र	19/04/2091	सूर्य	19/03/2098	चंद्र	01/10/2115		00/00/0000
शुक्र	18/10/2081	सूर्य	18/10/2091	चंद्र	18/10/2098	मंगल	18/10/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 8 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।